The Tribune
03-10-2023
Gurugram

Finland embassy to help rejuvenate pond

TRIBUNE NEWS SERVICE

GURUGRAM, OCTOBER 2

As part of the efforts to revive traditional water sources, the state government has tied up with the Finland embassy for purification of water of Sukhrali village pond. This will be a pilot project. If successful, it will be extended to other similar waterbodies across the state. The Finland embassy will spend about Rs 1 crore on it.

In 2018, in the meeting chaired by Prime Minister Narendra Modi, the Cabinet had approved a pact between the two countries that included partnership in air and water pollution prevention and purification, waste management and climate change.

Kimmo Lahdevirta, Finland's Ambassador to India,

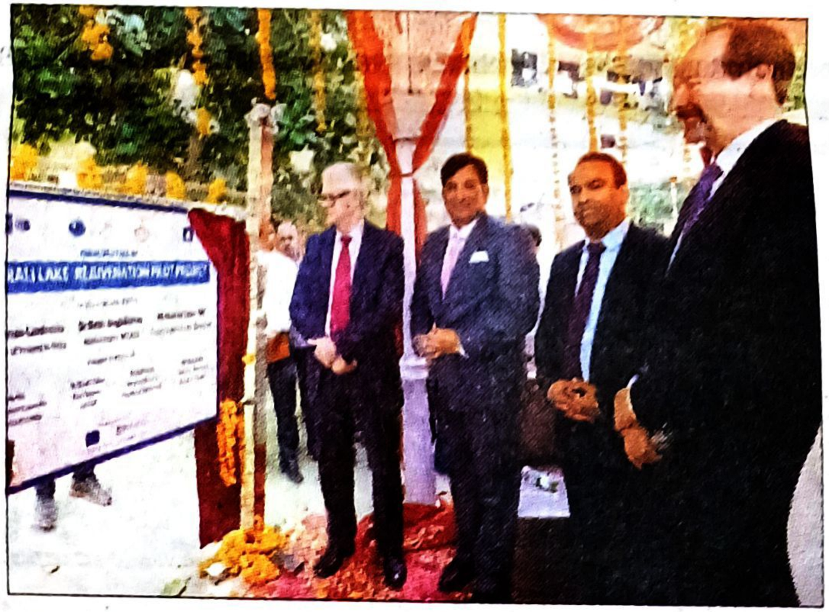

Kimmo Lahdevirta, Finland's Ambassador to India, inaugurates the pilot water purification project in Gurugram on Monday. TRIBUNE PHOTO

and Satbir Singh Kadian, Administrator, Micro Irrigation and Command Area Development Authority (MICADA), inaugurated the pilot project today.

Under the project, this entire process of water purification will be continuously monitored. Once successful, the project will be handed over to Municipal Corporation Gurugram and work will be done on other ponds also for water purification.

It is noteworthy that the quality of drinking water in Finland is considered to be the best globally in the drinking water purity index.

Ambassador Kimmo Lahdevirta said, "Indo Nordic Water Forum will also support this exercise. I have full faith in success and expansion of this project. This is a classic example of technological crossover for public welfare. If this effort of Ox Tube and Oxitec Reclamation Technology is successful then it will be started in other states along with Haryana."

Kadian said all measures were being taken to supply clean water in Haryana so that the problem of water shortage could be done away with. "We need about 36 billion cubic metres of water in the state but we have only 20 billion cubic metres," he added.

The Times Of India
03-10-2023
Gurugram

TO HELP REVIVE WATERBODY BY INCREASING DISSOLVED OXYGEN LEVEL

New tech set to breathe life into one of city's most-polluted lakes

Bagish.Jha@timesgroup.com

Gurgaon: Sukhrali lake, one of the most polluted waterbodies in the city, is all set for rejuvenation with the use of new OxTube technology, which will help increase dissolved oxygen level in the pond.

Aiming at providing clean water access, the move will find sustainable solutions to water crisis by leveraging Indian and European know-how and technology.

The lake, which is spread over 3 acres of land, is adjoined by many commercial establishments, schools and hospitals. It is highly eutrophicated owing to pollutants from incoming sewage that has contaminated the lake's inlet source from natural streams.

With a shallow average depth of 2-3 metres, the lake has lost most of its depth due to silting and sludge. It kicks up a stink and has turned into a breeding ground for mosquitoes due to build-up of debris, sludge and silt from the incoming sewage and rainwater during monsoon.

Vinay Gupta

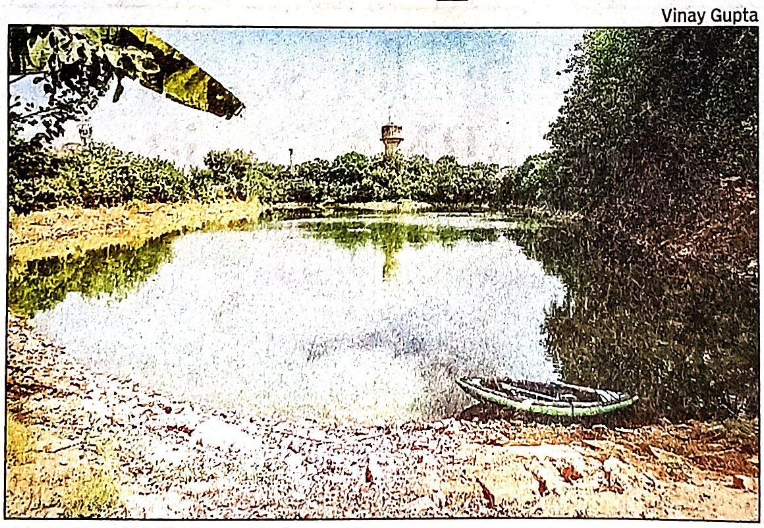

The Sukhrali lake is spread over three acres

Micro Irrigation & Command Area Development Authority (MICADA) will carry out the project with funds from Indo Nordic Water Forum (INWF), the EU-India water partnership to tackle pollution in waterbodies as well as address water challenges due to climate change in the area.

"Water in the lake will be restored to normal level by improving dissolved oxygen content in the lake using OxTube, arresting eutrophication, and treating or diverting any incoming sewage before it enters the lake," said Satbir Singh Kadian administrator MICADA.

"Periodical removal of solid waste accumulated at the bar screen provided near the inlets will prevent their entry into the lake through solids collection trap bags. Other steps like the use of bio-enzymes, sludge digestion at the bottom of the lake and manual skimming of plastic and solid dumped waste will help complete reclamation of the lake," he added.

The project will cost around Rs 50 lakh from which Rs 45 lakh will be spent on installation of OxTube technology. Ambassador of Finland to India Kimmo Lahdevirta inaugurated the project on Monday.

"Enzymatic bioremediation and maintaining the microclimate around the lake will be a major focus," said Kadian. The proposed solution combines OxTube technology with oxytech reclamation technology for comprehensive lake reclamation.

हिन्दुस्तान
03-10-2023
गुरुग्राम

फिनलैंड के सहयोग से सुखराली तालाब संवरेगा

- तालाब के पानी का शुद्धिकरण किया जाएगा
- तालाब पर करीब एक करोड़ रुपये खर्च होंगे

गुरुग्राम, कार्यालय संवाददाता। पारंपरिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए हरियाणा सरकार की ओर से धरातल पर गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर सुखराली गांव के तालाब के पानी का शुद्धिकरण के लिए फिनलैंड दूतावास से सहयोग लिया है।

दूतावास इस तालाब के शुद्धिकरण के लिए करीब एक करोड़ रुपये खर्च करेगा। तालाब पर आयोजित कार्यक्रम में भारत में फिनलैंड के राजदूत किम्मो लाहदेवरिता व सूक्ष्म सिंचाई एवं कमान क्षेत्र विकास प्राधिकरण (मीकाडा) के प्रशासक डॉ. सतबीर सिंह कादियान ने इसका शुभारंभ किया। फिनलैंड दूतावास में भारतीय व्यापार के परामर्शदाता व सर्कुलर इकोनामी तथा वानिकी के साथ जल संसाधन विशेषज्ञ डॉ. एंट्टी हर्लेवी सहित मिकाडा के मुख्य अभियंता सुरेश यादव और इंडो नार्डिक वाटर फोरम के संयोजक अंशुल जैन भी मौजूद रहे।

दैनिक जागरण
03-10-2023
गुरुग्राम

सुखराली तालाब के पानी को शुद्ध कर गुरुग्राम निगम को सौंपा

85 प्रतिशत पानी कृषि क्षेत्र में सिंचाई में प्रयोग हो रहा है, फिनलैंड के राजदूत ने इस पानी की गुणवत्ता को लेकर जताई चिंता

संवाद सहयोगी, बादशाहपुर : फिनलैंड के भारत में राजदूत किम्मो लाहड़विर्टा ने सिंचाई के लिए प्रयोग होने वाले पानी की गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 85 प्रतिशत पानी कृषि क्षेत्र में सिंचाई के लिए प्रयोग हो रहा है। सिंचाई के लिए प्रयोग होने वाले पानी की गुणवत्ता बेहतर होनी चाहिए, ताकि उससे होने वाली पैदावार गुणवत्तापूर्ण हो।

किम्मो लाहड़विर्टा सोमवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर सुखराली तालाब के पानी को शुद्ध कर उसे गुरुग्राम नगर निगम को सौंप दिया। वह इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस मौके पर फिनलैंड दूतावास के भारत में व्यापार परामर्शदाता डा. एंट्टी हर्लेवी, इंडो नार्डिक वाटर फोरम के संयोजक अंशुल जैन व सोयम साक्षी, निवर्तमान निगम पार्षद अनूप मौजूद रहे। किम्मो लाहड़विर्टा ने कहा कि भारत और फिनलैंड के बीच तालाब के पानी को शुद्ध करने के लिए समझौता हुआ है। दोनों देशों के इस सहयोग से अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल और इंडो नार्डिक वाटर फोरम का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में तालाबों के पानी शुद्ध करने के प्रति पूरी रुचि दिखाई।

सुखराली तालाब के पानी का शुद्ध करने बाद शुभारंभ करते फिनलैंड के भारत में राजदूत किम्मो लाहड़विर्टा, साथ में मीकाड़ा के प्रशासक डा. सतवीर सिंह कादियान व फिनलैंड दूतावास के भारत में व्यापार परामर्शदाता डा. एंट्टी हर्लेवी ● जागरण

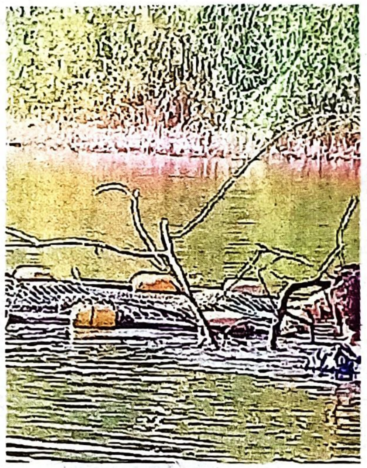

सुखराली गांव में तालाब के पानी को शुद्ध करने के लिए इक्विपमेंट लगाते फिनलैंड के जल विशेषज्ञ ● जागरण

सूक्ष्म सिंचाई एवं कमांड एरिया क्षेत्र (मीकाड़ा) के प्रशासक डा. सतवीर सिंह कादियान ने फिनलैंड के राजदूत के सामने पूरे प्रदेश के तालाबों की स्थिति का ब्योरा रखा। उन्होंने फिनलैंड के राजदूत को पानी शुद्ध करने के इक्विपमेंट बनाने का प्लांट हरियाणा प्रदेश में लगाने के लिए प्रस्ताव रखा। इंडो नार्डिक वाटर फोरम के संयोजक अंशुल जैन ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम की टीम ने तालाब के पानी शुद्ध करने के कार्यक्रम में पूरा सहयोग किया। इसके पानी के छह महीने तक नमूने लेकर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर अन्य तालाबों के पानी के शुद्ध करने के कार्यक्रम के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। फिनलैंड तालाबों के पानी शुद्ध करने के लिए पूरे प्रदेश में प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए तैयार है।

फिनलैंड दूतावास ने सुखराली तालाब के पानी को शुद्ध करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयन किया। फिनलैंड दूतावास के भारत में व्यापार परामर्शदाता डा. एंट्टी हर्लेवी कि इस प्रोजेक्ट के लिए विशेष भूमिका रही। फिनलैंड दूतावास ने अपने बजट से करीब 1.25 करोड रुपये से इस तालाब के पानी को शुद्ध करने का काम शुरू कर सोमवार को नगर निगम गुरुग्राम को सौंप दिया।

दैनिक भास्कर
03-10-2023
गुरुग्राम

मंडियों में आज बाजरा लेकर नहीं आएं किसान, केंद्रों पर नहीं की जाएगी खरीद

भास्कर न्यूज | गुरुग्राम

बाजरे की खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी रखने के लिए हैफेड ने तीन अक्टूबर को जिले की मंडियों में फसल की बिक्री को बंद रखने का निर्णय लिया है।

हैफेड के जिला प्रबंधक रणधीर सिंह सरोहा ने बताया कि एकदम से अधिक मात्रा में बाजरा आ जाने के कारण मंडियों में उठान का कार्य प्रभावित हो रहा है। बाजरा मंडियों में फैला रहने की वजह से किसानों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। हैफेड, बाजरे की अब तक हुई आवक का उठान करवाकर उसे गोदामों तक पहुंचाना चाहता है, जिससे कि फसल के भंडारण का कार्य सही ढंग से हो सके। इसलिए किसान तीन अक्टूबर को सोहना, पटौदी मंडी, फर्रुखनगर की मंडियों में बाजरा लेकर ना आएं। उन्होंने बताया कि हैफेड की खरीद कल सभी खरीद केंद्रों पर बंद रहेगी। इसलिए गुरुग्राम के साथ लगते नूंह, तावडू, फिरोजपुर झिरका, पुन्हाना, पिनंगवा तथा जिला पलवल और फरीदाबाद में भी गेट पास नहीं काटा जाएगा। किसान फसल बेचने की शीघ्रता ना करें। हैफेड का खरीद कार्य अभी जारी रहेगा।

अमर उजाला
03-10-2023
गुरुग्राम

आज नहीं होगी बाजरे की खरीद

गुरुग्राम। हैफेड की ओर से तीन अक्तूबर को बाजरा खरीद नहीं की जाएगी। हैफेड के जिला प्रबंधक रणधीर सिंह सरोहा ने बताया कि एकदम से अधिक मात्रा में बाजरा आ जाने के कारण मंडियों में उठान का कार्य प्रभावित हुआ है। हैफेड बाजरे की अब तक की आवक का उठान कर उसे गोदामों तक पहुंचाएगा। इसके लिए मंगलवार को मंडियों में बाजरे की खरीद नहीं करने का निर्णय लिया गया है। ऐसे में किसान तीन अक्टूबर को सोहना, पटौदी मंडी, फर्रुखनगर की मंडियों में बाजरा लेकर न आएं। उन्होंने बताया कि हैफेड की खरीद कल सभी खरीद केंद्रों पर बंद रहेगी। गुरुग्राम के साथ लगते नूंह जिले के तावडू, फिरोजपुर झिरका, पुन्हाना, पिनंगवा, और जिला पलवल और फरीदाबाद में भी गेट पास नहीं काटा जाएगा। किसान फसल बेचने की शीघ्रता न करें। ब्यूरो

पंजाब केसरी (पानीपत)
03-10-2023
गुरुग्राम

आज सभी केंद्रों पर नहीं होगी बाजरे की खरीद

गुड़गांव, 2 अक्तूबर (ब्यूरो): बाजरा की खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी रखने के लिए हैफेड ने 3 अक्तूबर को जिले की मंडियों में फसल की बिक्री को बंद रखने का निर्णय लिया है। इसलिए किसान मंगलवार को बाजरा लेकर मंडियों में ना आएं।

हैफेड के जिला प्रबंधक रणधीर सिंह सरोहा ने बताया कि एकदम से अधिक मात्रा में बाजरा आ जाने से मंडियों में उठान का कार्य प्रभावित हो रहा है। बाजरा मंडियों में फैला रहने की वजह से किसानों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

हैफेड बाजरे की अब तक हुई आवक का उठान करवा कर उसे गोदामों तक पहुंचाना चाहता है, जिससे फसल के भंडारण का कार्य सही ढंग से हो सके। इसलिए किसान 3 अक्तूबर को सोहना, पटौदी मंडी, फर्रूखनगर की मंडियों में बाजरा लेकर ना आएं। गुरूग्राम के साथ लगते जिला नूंह जिले में, नूंह, तावड़ू, फिरोजपुर झिरका, पुन्हाना, पिनंगवा, तथा जिला पलवल और फरीदाबाद में भी गेट पास नहीं काटा जाएगा।

पंजाब केसरी (दिल्ली)
03-10-2023
गुरुग्राम

आज गुरुग्राम की मंडियों में बाजरे की नहीं होगी खरीद

गुरुग्राम, 2 अक्तूबर (हप्र)

बाजरे की खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी रखने के लिए हैफेड ने 3 अक्तूबर को जिला की मंडियों में फसल की बिक्री को बंद रखने का निर्णय लिया है। इसलिए किसान 3 अक्तूबर मंगलवार को बाजरा लेकर मंडियों में न आएं। हैफेड के जिला प्रबंधक रणधीर सिंह सरोहा ने सोमवार को बताया कि एकदम से अधिक मात्रा में बाजरा आं जाने के कारण मंडियों में उठान का कार्य प्रभावित हो रहा है। बाजरा मंडियों में फैला रहने की वजह से किसानों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। हैफेड बाजरे की अब तक हुई आवक का उठान करवा कर उसे गोदामों तक पहुंचाना चाहता है, जिससे कि फसल के भंडारण का कार्य सही ढ़ंग से हो सके। इसलिए किसान तीन अक्तूबर को सोहना, पटौदी मंडी, फर्रूखनगर की मंडियों में बाजरा लेकर ना आएं। उन्होंने बताया कि हैफेड की खरीद कल सभी खरीद केंद्रों पर बंद रहेगी। इसलिए गुरुग्राम के साथ लगते जिला नूंह जिला में, नूंह, तावडू, फिरोजपुर झिरका, पुन्हाना, पिनंगवा, तथा जिला पलवल और फरीदाबाद में भी गेट पास नहीं काटा जाएगा। किसान फसल बेचने की शीघ्रता ना करें।

पंजाब केसरी (पानीपत)
03-10-2023
गुरुग्राम

मसालों की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार दे रही अनुदान

गुड़गांव, 2 अक्तूबर (ब्यूरो): किसानों की आय में वृद्धि करने व फसल विविधीकरण के तहत लगाई गई बागवानी फसलों को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा मसालों की खेती पर अनुदान दिया जा रहा है। डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि किसानों को सब्जियों व फलों के भाव से जोखिम मुक्त कर उन्हें फसल का उचित दाम दिलाने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा अनुदान व भावन्तर भरपाई योजना चलाई जा रही है। इसी क्रम में अब बागवानी के क्षेत्र में मसालों की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा 50 प्रतिशत का अनुदान दिया जा रहा है। डीसी ने बताया कि योजना के तहत लहसुन पर 30 हजार प्रति एकड़ तथा धनिया व मैथी पर 15 हजार प्रति एकड़ अनुदान दिया जा रहा है। वहीं सुगंधित पौधों जैसे मेंथा, लेमनग्रास, सिट्रोनेला की खेती पर 40 प्रतिशत की दर से 6 हजार 400 रुपये प्रति एकड़ अनुदान दिया जा रहा है। एक किसान अधिकतम 10 एकड़ तक लाभ ले सकता है। योजना के लाभ लेने के इच्छुक किसान, किसान विभाग के पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। उत्पादन से पूर्व होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना के तहत उत्पादक किसान उपरोक्त फसलों का बीमा भी करवा सकते हैं।

हिन्दुस्तान
03-10-2023
गुरुग्राम

बढ़ावा : मसालों की खेती के लिए मिल रहा अनुदान

- छह हजार प्रति एकड़ अनुदान दिया जा रहा
- किसान पोर्टल पर कर सकते हैं आवेदन

गुरुग्राम, वरिष्ठ संवाददाता। किसानों की आय में वृद्धि करने व फसल विविधीकरण के तहत लगाई गई बागवानी फसलों को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा मसालों की खेती पर अनुदान दिया जा रहा है।

उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने बताया कि किसानों को सब्जियों व फलों के भाव से जोखिम मुक्त कर उन्हें फसल का उचित दाम दिलाने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा अनुदान व भावंतर भरपाई योजना चलाई जा रही है। इसी क्रम में अब बागवानी के क्षेत्र में मसालों की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा 50 प्रतिशत का अनुदान दिया जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि योजना के तहत लहसुन पर 30 हजार प्रति एकड़ तथा धनिया व मैथी पर 15 हजार प्रति एकड़ अनुदान दिया जा रहा है। वहीं सुगंधित पौधों जैसे मेंथा, लेमनग्रास, सिट्रोनेला की खेती पर 40 प्रतिशत की दर से 6 हजार 400 रुपये प्रति एकड़ अनुदान दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि एक किसान अधिकतम 10 एकड़ तक लाभ ले सकता है। योजना के लाभ लेने के इच्छुक किसान, किसान विभाग के पोर्टल hortnet.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। उत्पादन से पूर्व होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना के तहत उत्पादक किसान उपरोक्त फसलों का बीमा भी करवा सकते हैं।

पंजाब केसरी (पानीपत)
03-10-2023
गुरुग्राम

पशुपालक किसान क्रेडिट कार्ड योजना का उठाएं ज्यादा से ज्यादा लाभ : डीसी

गुड़गांव, 2 अक्तूबर (ब्यूरो):डीसी निशान्त कुमार यादव ने किसानों का आह्वान किया कि वे पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसानों को गाय, भैंस, भेड़, बकरी, सूकर, मुर्गी के रखरखाव के लिए तीन लाख रुपए तक का ऋण देने का प्रावधान है ताकि पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। छोटे किसानों को पशुपालन व अन्य स्रोतों से होने वाली आय को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की जा रही है। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसान अपने पशुओं की देखभाल के लिए होने वाले खर्च हेतु पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण प्राप्त कर सकता है। कोई भी पशुपालक एक लाख 60 हजार रुपए तक की राशि की लिमिट तक का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बिना कोई जमीन गिरवी रखे व बिना किसी गारंटी के कोलैटरल सुरक्षा बनवा सकता है। यदि कोई पशुपालक इस राशि से अधिक लिमिट का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना चाहता है तो उसे अपनी जमीन या कोई जमानत देना अनिवार्य होगा।

हिन्दुस्तान
03-10-2023
गुरुग्राम

पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ उठाएं: डीसी

- किसानों की आय बढ़ाने के लिए चल रही योजना
- तीन लाख तक का ऋण देने का प्रावधान

गुरुग्राम, कार्यालय संवाददाता। डीसी निशान्त कुमार यादव ने किसानों का आह्वान किया कि वे पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। योजना के तहत किसानों को गाय, भैंस, भेड़, बकरी, सूकर, मुर्गी के रखरखाव के लिए तीन लाख रुपये तक का ऋण देने का प्रावधान है।

छोटे किसानों को पशुपालन व अन्य स्रोतों से होने वाली आय को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की जा रही है। योजना के तहत किसान अपने पशुओं की देखभाल के लिए होने वाले खर्च के लिए पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण प्राप्त कर सकता है। कोई भी पशुपालक एक लाख 60 हजार रुपये तक की राशि की लिमिट तक का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बिना कोई जमीन गिरवी रखे और बिना किसी गारंटी के कोलैटरल सुरक्षा बनवा सकता है। यदि कोई पशुपालक इस राशि से अधिक लिमिट का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना चाहता है तो उसे अपनी जमीन या कोई जमानत देना अनिवार्य होगा। क्रेडिट कार्ड धारक को सालाना सात प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर बैंक द्वारा ऋण दिया जाएगा।

दैनिक जागरण
03-10-2023
गुरुग्राम

पशुपालक किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ उठाएं : उपायुक्त

वि, गुरुग्राम : उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने किसानों से अपील की है कि वे पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। योजना के तहत किसानों को गाय, भैंस, भेड़, बकरी, मुर्गी के रखरखाव के लिए तीन लाख तक का ऋण देने का प्रविधान है।

उपायुक्त निशांत कुमार यादव

उन्होंने कहा कि छोटे किसानों को पशुपालन व अन्य स्त्रोतों से होने वाली आय को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की जा रही है। योजना के तहत किसान अपने पशुओं की देखभाल के लिए होने वाले खर्च के लिए पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण प्राप्त कर सकते हैं। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक को सालाना सात प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर बैंक द्वारा ऋण दिया जाएगा। यदि कार्डधारक अपने ऋण का समय पर भुगतान करता है तो उसे केंद्र सरकार की तरफ से तीन प्रतिशत ब्याज दर का अनुदान दिया जाएगा।